

**रैयाराव** पुं. (देश.) 1. छोटा राजा, रजवाड़ा 2. मध्यकालीन सामंतों की एक उपाधि।

**रैल** स्त्री. (देश.) समूह, ढेर, राशि, झुंड।

**रैली** स्त्री. (अं.) 1. सम्मिलन, जमघट, एकत्र होना 2. किसी दल, संस्था आदि द्वारा आयोजित विशाल एकत्रीकरण, जलसा 3. सहायता करने आना 4. स्वास्थ्य लाभ 5. उपहास करना, हंसी उड़ाना।

**रैवतक** पुं. (तत्.) 1. द्वारका के पास एक पर्वत 2. रेवती नदी के पास का देश 3. एक सामंन्त 4. शिव 5. एक दैत्य (बालग्रह) 6. रेवती के गर्भ से उत्पन्न पांचवे मनु।

**रोंगटा** पुं. (तत्.) रोम, लोभ, रोयां

**रोऊ** वि. (देश.) बहुत अधिक रोने वाला, गिड़गिड़ाकर या दीनतापूर्वक प्रार्थना करने वाला।

**रोक** पुं. (देश.) 1. रोकने की क्रिया, भाव, रुकावट 2. रोकने वाली वस्तु, बाधा, बाढ़, चारदीवारी 3. प्रतिबंध, निषेध, मनाही, वर्जना 4. कीमत का कुछ हिस्सा देकर वस्तु को अपने लिए सुरक्षित करा लेना।

**रोकटोक** स्त्री. (देश.) रोकने और टोकने की क्रिया, भाव, बाधा, रुकावट 2. प्रतिबंध, निषेध, पाबंदी 3. प्रस्थान करने या किसी कार्य को आरंभ करने के समय व्यक्ति को टोकना या कुछ पूछना जिसे अशुभ या विघ्नकारक माना जाता है।

**रोकड़** स्त्री. (देश.) 1. नकदी धन, रकम 2. मूलधन, जमा धन, पूंजी 2. व्यापारी द्वारा प्रतिदिन का हिसाब किताब रखने की बही।

**रोकड़बही** स्त्री. (देश.) प्रतिदिन के आय व्यय का हिसाब लिखने वाली पंजी, बही।

**रोकड़िया** पुं. (देश.) नकद रोकड़, आय-व्यय का हिसाब रखने वाला कर्मचारी, खजांची, मुनीम, केशियर।

**रोकथाम** स्त्री. (देश.) 1. किसी अनुचित या गलत कार्य को रोकने के लिए किया जाने वाला प्रयत्न

2. किसी बीमारी, सामाजिक बुराई को आगे बढ़ने से रोकने की प्रक्रिया 3. बचाव कार्य।

**रोकना** स.क्रि. (तद्.) 1. रुद्ध करना, आगे न बढ़ने देना 2. गति, चाल, प्रवाह आगे न बढ़ने देना जैसे- मोटर, पानी का धारा आदि 3. जाने से रोकना, किसी बात, काम का क्रम बंद करना 4. आघात, प्रहार को रोकना 5. गलत कार्य, आदत को बंद करना, काबू में रखना, कुप्रथा रोकना 6. बाधा डालना, प्रतिबंधित करना 7. अधिकारपूर्वक, अनुरोधपूर्वक आने जाने से रोकना जैसे- पुलिस द्वारा 8. नियंत्रित करना उदा. रोग, बाढ़ आदि 9. संयंत्रित करना, दमन करना, निवारण करना।

**रोग** पुं. (तत्.) आयु. 1. व्याधि, बीमारी, मर्ज, विकार पूर्ण स्थिति, अस्वस्थता 2. लाक्ष. व्यसन, लत, बुरी आदत।

**रोगन** पुं. (फा.) 1. चिकना और गाढ़ा द्रव्य जैसे- तेल, घी आदि 2. तेल लाख आदि का बना पक्का रंग जो बर्तनों पर चमक लाने के लिए उपयोग में आता है 3. रासायनिक लेप जिससे वस्तुओं में चमक आती है और धूप, वर्षा आदि का उन पर असर नहीं होता 4. पॉलिश।

**रोग-निदान** पुं. (तत्.) आयु. रोग के मूल कारणों/ लक्षणों की पहचान जिससे रोग का निर्धारण हो सके।

**रोगनी** वि. (फा.) 1. रोगन संबंधी, रोगन का 2. जिस पर रोगन लगाया गया हो, रोगद्वार 3. तेल लगा हुआ, तेल में बना हुआ 4. चिकना 5. वार्निश किया हुआ।

**रोग-नैदानिकी** पुं. (तत्.) भावनाओं, अनुभूतियों और संवेगों की पहचान आयु. व्यक्ति के रोग की पहचान, रोग निदान करने वाला विज्ञान।

**रोगभीति** स्त्री. (तत्.) मनो. 1. एक मानसिक स्थिति, रोग जिसमें बीमारी का अकारण भय बना रहता है, अथवा मन में बार बार यह भावना आती है कि मैं बीमार हूँ मुझे कोई रोग है 2. रोग-श्रमी।